



Prince Duggal

03 May 1993

07:25 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 120089004

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 03/05/1993
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 19:25:00 घंटे
इष्ट _____: 34:20:05 घटी
स्थान _____: Ludhiana
राज्य _____: Punjab
देश _____: India

अक्षांश _____: 30:56:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 18:58:28 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:07 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:44:22 घंटे
सूर्योदय _____: 05:40:58 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:06:23 घंटे
दिनमान _____: 13:25:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 19:22:15 मेष
लग्न के अंश _____: 24:07:19 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: हस्त - 2
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: हर्षण
करण _____: कौलव
गण _____: देव
योनि _____: महिष
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष

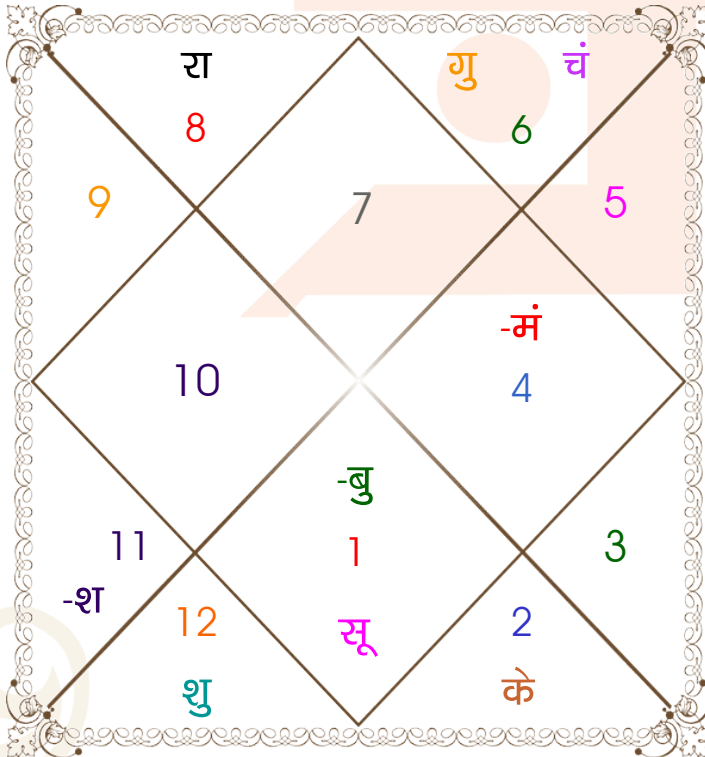
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:07:19	302:57:32	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			मेष	19:22:15	00:58:09	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	13:59:40	14:49:22	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	08:56:00	00:29:24	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध		अ	मेष	05:35:55	01:54:01	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
गुरु		व	कन्या	12:11:22	00:04:54	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	12:09:22	00:22:42	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	उच्च राशि
शनि			कुंभ	05:25:13	00:03:32	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु		व	वृश्चि	18:41:12	00:03:56	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु		व	वृष	18:41:12	00:03:56	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष		व	धनु	28:24:06	00:00:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप		व	धनु	27:21:13	00:00:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो		व	वृश्चि	00:41:11	00:01:38	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			सिंह	00:00:24	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

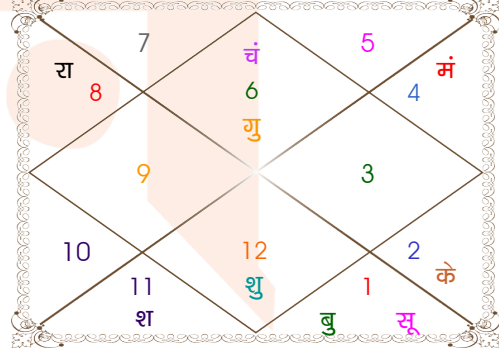
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:06

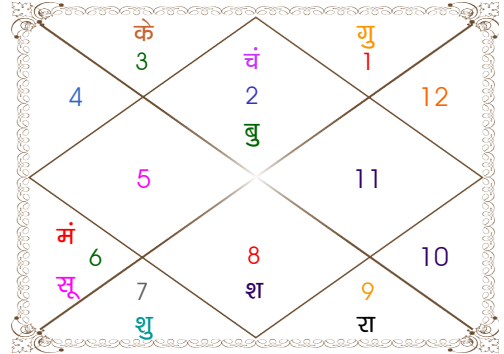
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 0 मास 1 दिन

चंद्र 10 वर्ष 03/05/1993 05/05/2000	मंगल 7 वर्ष 05/05/2000 05/05/2007	राहु 18 वर्ष 05/05/2007 05/05/2025	गुरु 16 वर्ष 05/05/2025 05/05/2041	शनि 19 वर्ष 05/05/2041 05/05/2060
00/00/0000	मंगल 01/10/2000	राहु 16/01/2010	गुरु 23/06/2027	शनि 08/05/2044
00/00/0000	राहु 19/10/2001	गुरु 10/06/2012	शनि 03/01/2030	बुध 16/01/2047
03/05/1993	गुरु 25/09/2002	शनि 17/04/2015	बुध 10/04/2032	केतु 25/02/2048
गुरु 04/08/1994	शनि 04/11/2003	बुध 03/11/2017	केतु 17/03/2033	शुक्र 26/04/2051
शनि 05/03/1996	बुध 31/10/2004	केतु 22/11/2018	शुक्र 16/11/2035	सूर्य 07/04/2052
बुध 04/08/1997	केतु 29/03/2005	शुक्र 22/11/2021	सूर्य 03/09/2036	चंद्र 07/11/2053
केतु 05/03/1998	शुक्र 29/05/2006	सूर्य 16/10/2022	चंद्र 03/01/2038	मंगल 16/12/2054
शुक्र 04/11/1999	सूर्य 04/10/2006	चंद्र 16/04/2024	मंगल 10/12/2038	राहु 22/10/2057
सूर्य 05/05/2000	चंद्र 05/05/2007	मंगल 05/05/2025	राहु 05/05/2041	गुरु 05/05/2060
बुध 17 वर्ष 05/05/2060 05/05/2077	केतु 7 वर्ष 05/05/2077 05/05/2084	शुक्र 20 वर्ष 05/05/2084 06/05/2104	सूर्य 6 वर्ष 06/05/2104 06/05/2110	चंद्र 10 वर्ष 06/05/2110 00/00/0000
बुध 01/10/2062	केतु 01/10/2077	शुक्र 04/09/2087	सूर्य 23/08/2104	चंद्र 06/03/2111
केतु 28/09/2063	शुक्र 01/12/2078	सूर्य 03/09/2088	चंद्र 22/02/2105	मंगल 06/10/2111
शुक्र 29/07/2066	सूर्य 08/04/2079	चंद्र 05/05/2090	मंगल 30/06/2105	राहु 05/04/2113
सूर्य 05/06/2067	चंद्र 07/11/2079	मंगल 05/07/2091	राहु 24/05/2106	गुरु 04/05/2113
चंद्र 03/11/2068	मंगल 04/04/2080	राहु 05/07/2094	गुरु 13/03/2107	00/00/0000
मंगल 31/10/2069	राहु 23/04/2081	गुरु 05/03/2097	शनि 23/02/2108	00/00/0000
राहु 20/05/2072	गुरु 30/03/2082	शनि 06/05/2100	बुध 29/12/2108	00/00/0000
गुरु 26/08/2074	शनि 08/05/2083	बुध 06/03/2103	केतु 06/05/2109	00/00/0000
शनि 05/05/2077	बुध 05/05/2084	केतु 06/05/2104	शुक्र 06/05/2110	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 0 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरुद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वाकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्ज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यो के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उपार्जन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यो की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृत्ति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मत्तैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

